515

No. 3875-4Lab-76/12989.—In pursuance of the provisions of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (Act No. XIV of 1947), the Governor of Haryana is pleased to publish the following award of the Presiding Officer, Labour Court, Haryana, Rohtak, in respect of the dispute between the workmen and the management of M/s Mechnical Movements Private Limited, Bahadurgarh (Rohtak) :—

BEFORE SHRI MOHAN LAL JAIN, PRESIDING OFFICER, LABOUR COURT, HARYANA, ROHTAK

Reference No. 42 of 1975

between

SHRI FATEH SINGH WORKMAN AND THE MANAGEMENT OF M/S MECHANICAL MOVEMENTS PRIVATE LIMITED, BAHADURGARH (ROHTAK)

AWARD

By order No. ID/RK/200-F-75/35669, dated 18th June, 1975, the Governor of Haryana, referred the following dispute between the management of M/s Mechanical Movements Private Limited, Bahadurgarh (Rohtak) and its workman Shri Fateh Singh to this Labour Court, for adjudication, in exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947:—

Whether the termination of services of Shri Fateh Singh was justified and in order ? If not, to what relief is he entitled ?

The parties put in their apperance in this Court in response to the usual notices of reference sent to them and filed their pleadings giving rise to the following issue framed by me,—*vide* my order, dated 7th January, 1976 on plea of the parties:—

Whether the management obtained the resignation of the workman under coercion, duress and mis-representation ?

The case was fixed for 9th April, 1976 for recording the evidence of the workman when his uthorised representative Shri Rajinder Singh made a statement that he could not contact the workman despite best efforts and the search made by him and that he under the circumstances proposed to withdraw the demand leading to this reference.

It would appear from the statement of Shri Rajinder Singh, authorised representative for the workman that there is now no dispute between the parties requiring adjudication and the workman is not entitled to any relief under the demand raised by him. I answer the reference while returning the award in terms of the findings made by me.

MOHAN LAL JAIN,

Dated, the 13th April, 1976.

Presiding Officer,
Labour Court, Haryana, Rohtak.

No. 965, dated 16th April, 1976.

Forwarded (four copies) to the Secretary to Government, Haryana, Labour and Employment Departments, Chandigarh as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

MOHAN LAL JAIN,

Presiding Officer,
Labour Court, Haryana, Rohtak.

———

P. P. CAPRIHAN,

Commissioner and Secretary to Government, Haryana,
Labour and Employment Department.

TOURISM DEPARTMENT

The 13th May, 1976

No. 2799-6 PP-76/12519.—In pursuance of provision of section 48 of the Land Acquisition Act, 1894, and all other powers enbling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby withdraws from acquisition the land specified below with respect to which notifications under sections 4 and 6 of the said Act, were issued with Tourism Department Haryana notification No. 4758-6PP-75/25838-A, dated 1st September, 1975 and 1072-6PP-76/5792, dated 3rd March, 1976. This land already stands covered under the necessary notifications issued by the Town and Country Planning Department, Haryana.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Village/Locality, H.B. No.	Area K.	Area M.	Rect./Killa No.
Mohindergarh	Rewari	Dharuhera, H.B. No. 299	6	13	237
			2	00	235
			6	00	236
			7	01	238
			6	03	239
		Total	27	17	

The 19th May, 1976

No. 3129-6PP-76/14379.—In pursuance of provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894, and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby rescinds Haryana Government, Tourism Department, notification No. 7673-6PP-75/39781, dated the 12th December, 1975, from acquisition of the land under section 4 of the said Act.

ASHOK PAHWA, Jt. Secy.

REVENUE DEPARTMENT

The 20th May, 1976

No. 2650-R-III-76/15939.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that land is likely to be needed by the Government, at public expense, for a public purpose, namely, for the construction of houses for the employees serving in the Deputy Commissioner's Office at Bhiwani, being members of the D. C. Colony House Building Co-operative Society, Bhiwani, it is hereby notified that land in the locality described below is likely to be acquired for the above purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894, for the information of all to whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor of Haryana hereby authorises the officers with their servants and workmen, for the time being engaged in the undertaking, to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section.

Any person interested who has any objection to the acquisition of land in the locality may, within a period of thirty days of the publication of this notification in the Official Gazette, file objection in writting before the Land Acquisition Collector (Sub-Divisional Officer, Civil), Dadri.

The Plans of the land may be inspected in the office of the Collector of Bhiwani District.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Village	Description of Khasra No.	Area K.	Area M.
Bhiwani	Bhiwani	Bhiwani Lohar	140/6	4	0
			7	4	0
			14	8	0
			15/1	4	12

517

District	Tehsil	Village	Description of Khasra No.	Area
				K. M.
Bhiwani	Bhiwani	Bhiwani Lohar—*concld*	15/2	3—8
			16	7—7
			17	8—0
			24	8—0
			25/1	5—10
			25/2	1—14
			141/9	2—6
			10	4—0
			11	8—0
			12	2—16
			20/1	4—0
			20/2	4—6
			21/1	0—15
			21/2	6—5
			161/1	6—0
			162/4/1	3—2
			5	4—12
			1004	2—2
			Total	102—15

S. D. BHAMBRI,
Financial Commissioner & Secy.

The 17th May, 1976

No. 1135-ARS-II(I)-76/15388.—In exercise of the powers conferred by the clause (A) of section 2 of the Section 14 of the East Punjab Holdings (Consolidation and Prevention of Fragmentation) Act, 1948, and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby anthorises Tahsildar, Panipat, to perform the functions of a Consolidation Officer under the Act in respect of the estate of Rana Majra, tehsil Panipat, district Karnal.

S.D. BHAMBRI, Secy.

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 12 मई, 1976

क्रमांक 708 ज(II)-76/13956.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3 (1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों की वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उनके सामने दी गई फ़सल तथा राशि एवं सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

क्रमांक	ज़िला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फ़सल/वर्ष जब से जागीर दी गई	वार्षिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
1	रोहतक	श्री शेर सिंह सांगवान, पुत्र श्री केहरी सिंह	मोरखेड़ी	रोहतक	खरीफ, 1974 से	रु० 150
2	रोहतक	श्रीमती सोना देवी, विधवा श्री स्योनारायण	अमादलपुर	झज्जर	रबी, 1966 से रबी, 1970 तक	100
					खरीफ़, 1970 से	150

1	2	3	4	5	6	7
						रु०
3	रोहतक	श्री शिव लाल, पुत्र श्री रामजी लाल	सुरहती	झज्जर	खरीफ़, 1965 से रबी, 1970 तक	100
					खरीफ़, 1970 से	150
4	रोहतक	श्रीमती मामं कौर, विधवा श्री फूले राम	मनगन	रोहतक	खरीफ़, 1965 से रबी, 1970 तक	100
					खरीफ़, 1970 से	150

दिनांक 13 मई, 1976

क्रमांक 726-ज(II)-76/14043.—श्री राम पियोजन सिंह, पुत्र श्री जयमल सिंह, गांव भोंडसी, तहसील व जिला गुड़गावां को दिनांक 9 मई, 1972 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राजयपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2 (ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये सहर्ष आदेश देते हैं, कि श्री राम पियोजन सिंह को मल्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर, जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 8110-जे एन (III)-66/12174, दिनांक 16 जून, 1966 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सिरी देवी के नाम खरीफ़, 1972 से 150 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील की जाती है।

क्रमांक 821-ज-II-76/15018.—श्री राम सरूप सिंह, पुत्र श्री मुहब्बत सिंह, गांव भोंडसी, तहसील व जिला गुड़गावां के चौथे लड़के की आपात काल में फ़ौज में की गई सेवा के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और ससमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (1) तथा 3 (1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों को प्रयोग करते हुये श्री राम सरूप सिंह को मल्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर, जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 3825 आर (4)--67/3060, दिनांक 5 सितम्बर, 1967 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, को बढ़ा कर अब उसे रबी, 1973 से 200 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 366-ज-II-76/15252.—श्री मांगे राम, पुत्र श्री हरी सिंह, गांव थाना खुर्द, तहसील व जिला सोनीपत, को दिनांक 21 जुलाई, 1971 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहर्ष आदेश देते है, कि श्री मांगे राम को मल्लिग 100 रुपये की जागीर, जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 15891-जे एन (III)-66/18885, दिनांक 30 सितम्बर, 1966 तथा बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा खरीफ़, 1970 से 150 रुपये वार्षिक मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सुख देई के नाम रबी, 1972 से 150 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील की जाती है।

दिनांक 14 मई, 1976

क्रमांक 824-ज(II)-76/15265.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री मोहर सिंह, पुत्र श्री ईशर सिंह, गांव बादशाहपुर, तहसील व जिला गुड़गांव को खरीफ़, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक तथा खरीफ़, 1970 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।